CBI probe into airbus A-320 deal

1123. SHRI VIREN J. SHAH: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to refer to the reply to Unstarred Question 1794 given in the Rajya Sabha on 10th March, 1992 and to state the reasons for the delay in completing the investigation regarding Airbus A-320 by the CBI and by when it is likely to be completed?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): The case involves examination of a large number of witnesses and documents and investigation abroad. Since the case requires processing through foreign courts also, no definite time-frame can be indicated for completion of the investigation at this juncture.

वायुदूत की उड़ानों के किराए में वृद्धि

1124. **श्री महेश्वर सिंह :** क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1989–90, 1990–91 और 1991–92 में वायुदूत दिल्ली-चंडीगढ़–शिमला, दिल्ली-चंडीगढ़–कुल्लू और दिल्ली–चंडीगढ़–कांगड़ा (गग्गल) की उड़ानों के लिये कितना-कितना किराया ले रही थी ;

(ख) उक्त उड़ानों के किराए में कितनी वृद्धि की गई है और इसके क्या कारण हैं ;

(ग) क्या सरकार पर्यटन की दृष्टि से किरायों में की गई इस अनावश्यक और अत्यधिक वृद्धि में कटौती करने का विचार रखती है ;

(घ) यदि हां, तो कब तक ; और

(ङ) यदि उपर्युक्त भाग (ग) का उत्तर "नहीं" हो, तो इसके क्या कारण हैं ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया) : (क) और (ख) वर्ष 1989–90, 1990–91 और 1991–92 के दौरान दिल्ली–शिमला, दिल्ली-चंडीगढ़–कुल्लू और दिल्ली-चंडीगढ़-कांगड़ा मार्गों पर वायुदूत की सेवाओं पर लागू किरायों का विवरण संलग्न है **(नीचे देखिये)** । वायुदूत को कम दूरी के प्रचालनों, मंहगें विमान, कम किराया ढांचे और अधिकांश स्टेशनों पर पेलोड पेनाल्टी के कारण भारी घाटा होता रहा है । वायुदूत ने 20 मार्च, 1992 से उपर्युक्त मार्गों पर किराये में लगभग 60% की वृद्धि कर दी है ।

(ग) जी, नहीं ।

(घ) प्रश्न नहीं उठता ।

(ङ) वाणिज्यिक कारणों से इन सेक्टरों पर किराया कम नहीं किया जा सकता ।